Self Respect

16-09-2014

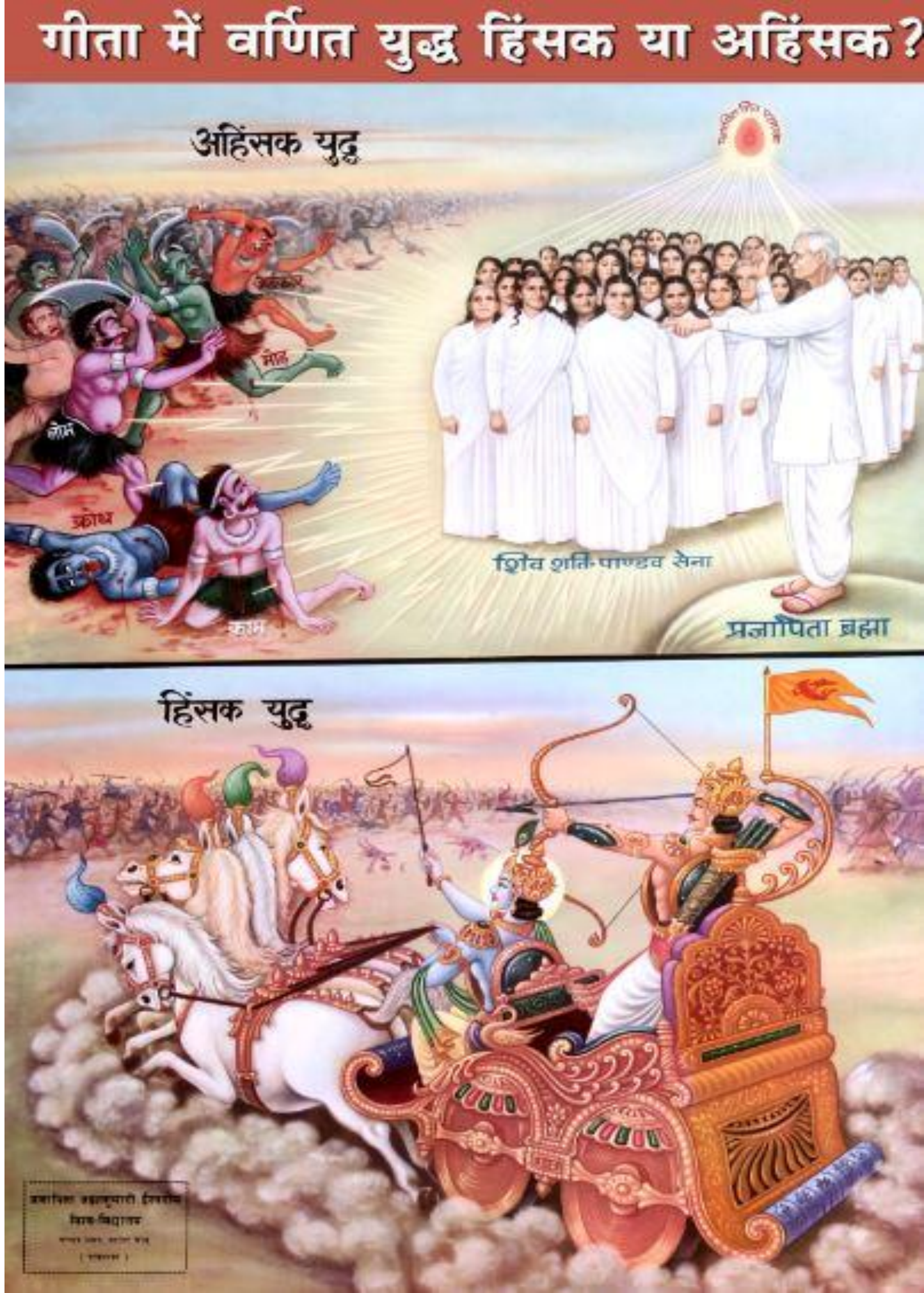

- मुक्ति भी देते, जीवनमुक्ति भी देते हैं, जिसको भक्ति का फल कहते हैं । लिब्रेशन और फ्रुसन । भक्ति का फल देते हैं और लिबरेट करते हैं । बच्चे जानते हैं हमको दोनों देते हैं । लिबरेट तो सबको करते हैं, फल तुमको देते हैं ।

- तुम बच्चे ही जानते हो यह मुक्ति जीवनमुक्ति दोनों गॉड फादरली बर्थ राइट हैं । तुम लिख भी सकते हो । बाप से तुम बच्चों को यह बर्थ राइट मिलता है । बाप का बनने से दोनों चीज़ें प्राप्त होती हैं । वह है रावण का बर्थ राइट, यह है परमपिता परमात्मा का बर्थ राइट ।

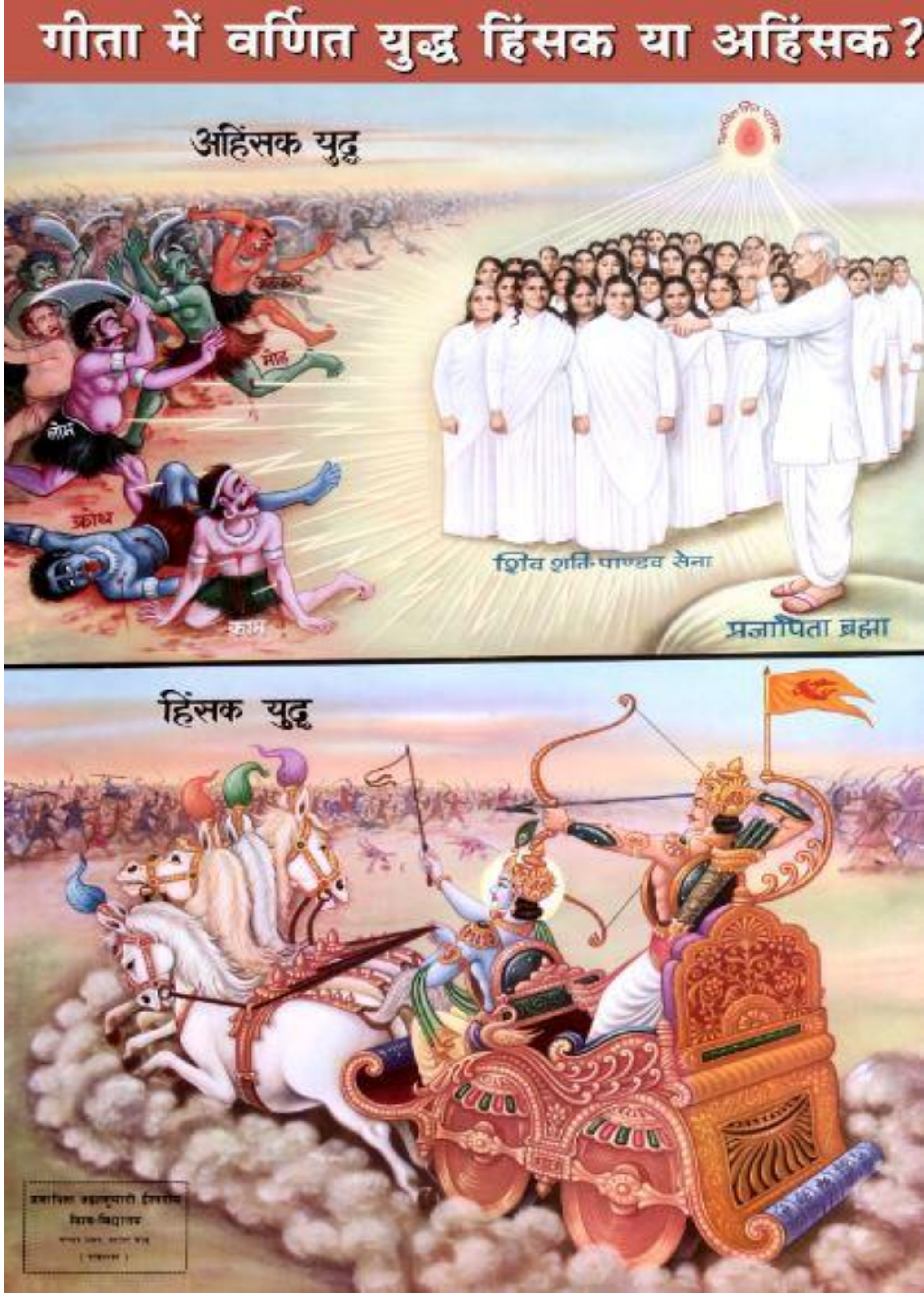

- तुम हो धरती के सितारे और वह आसमान के सितारे । तुमको देवता कहा जाता है वह फिर उनको भी देवता कह देते हैं । तुमको लकी सितारा कहा जाता है ना ।

- बाप इस समय बच्चों को पढ़ाकर 21 जन्मों के लिए वर्सा देते हैं । फिर यह तुम्हारे संस्कार रहते नहीं ।

- प्रजापिता को भी जरूर ब्राह्मण बच्चे चाहिए । यह है मुख वंशावली । वह होते हैं कुख वंशावली

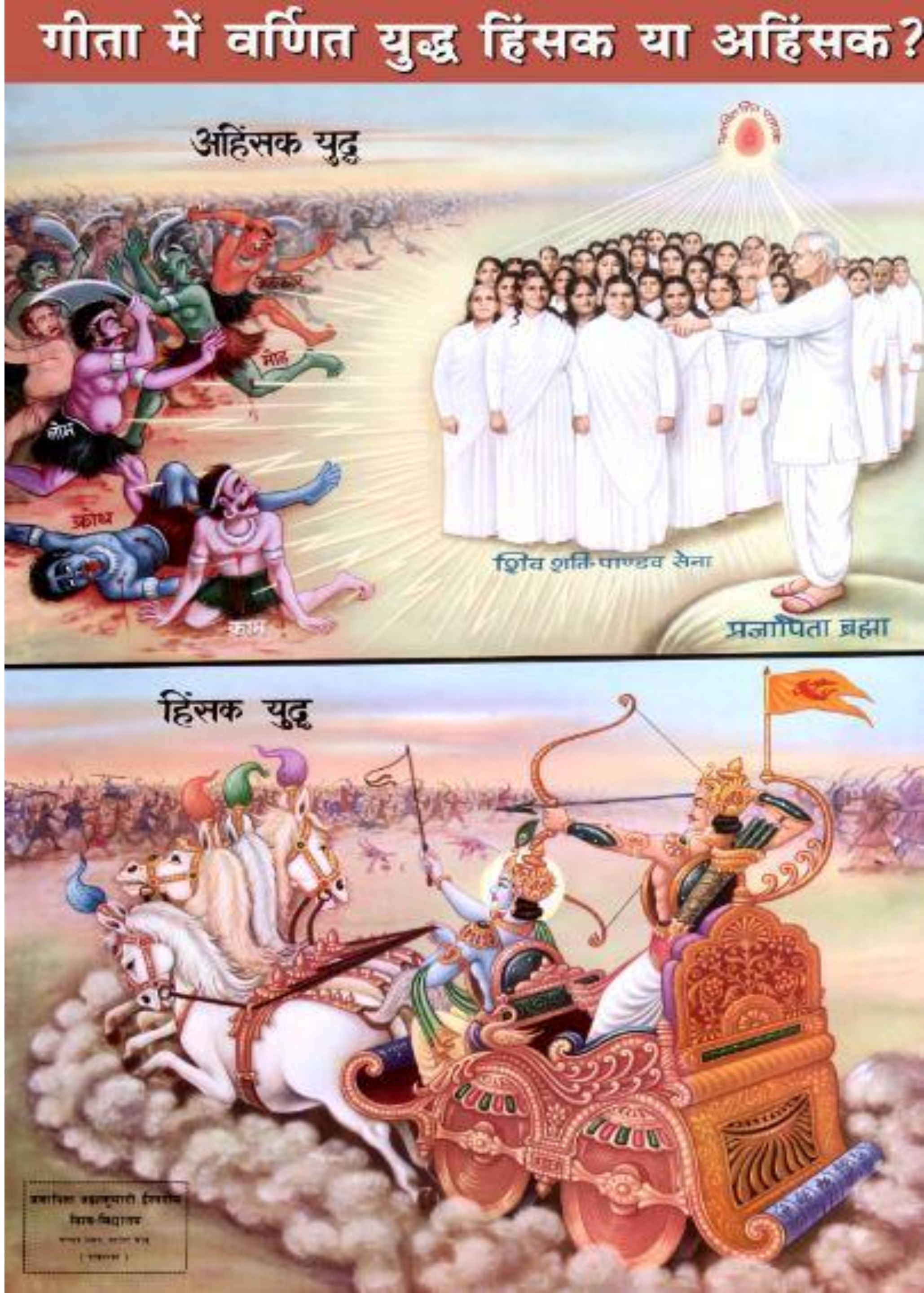

- तो मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चे-तुम यह समझते हो आत्मायें परमात्मा अलग रहे बहुकाल...... कितने काल के बाद मिले हैं? फिर कब मिलेंगे? सुन्दर मेला कर दिया जब सतगुरू मिला दलाल के रूप में । गुरू तो बहुत हैं ना इसलिए सतगुरू कहा जाता है ।
- स्त्री को जब हथियाला बांधते हैं तो भी कहते हैं यह पति तुम्हारा गुरू ईश्वर है । पति तो पहले-पहले नापाक बनाते हैं । आजकल तो दुनिया में बहुत गन्द लगा पड़ा है । अब तुम बच्चों को तो गुल-गुल बनना है । तुम बन्न्चो को पक्का-पक्का हथियाला बाप बांधते हैं ।

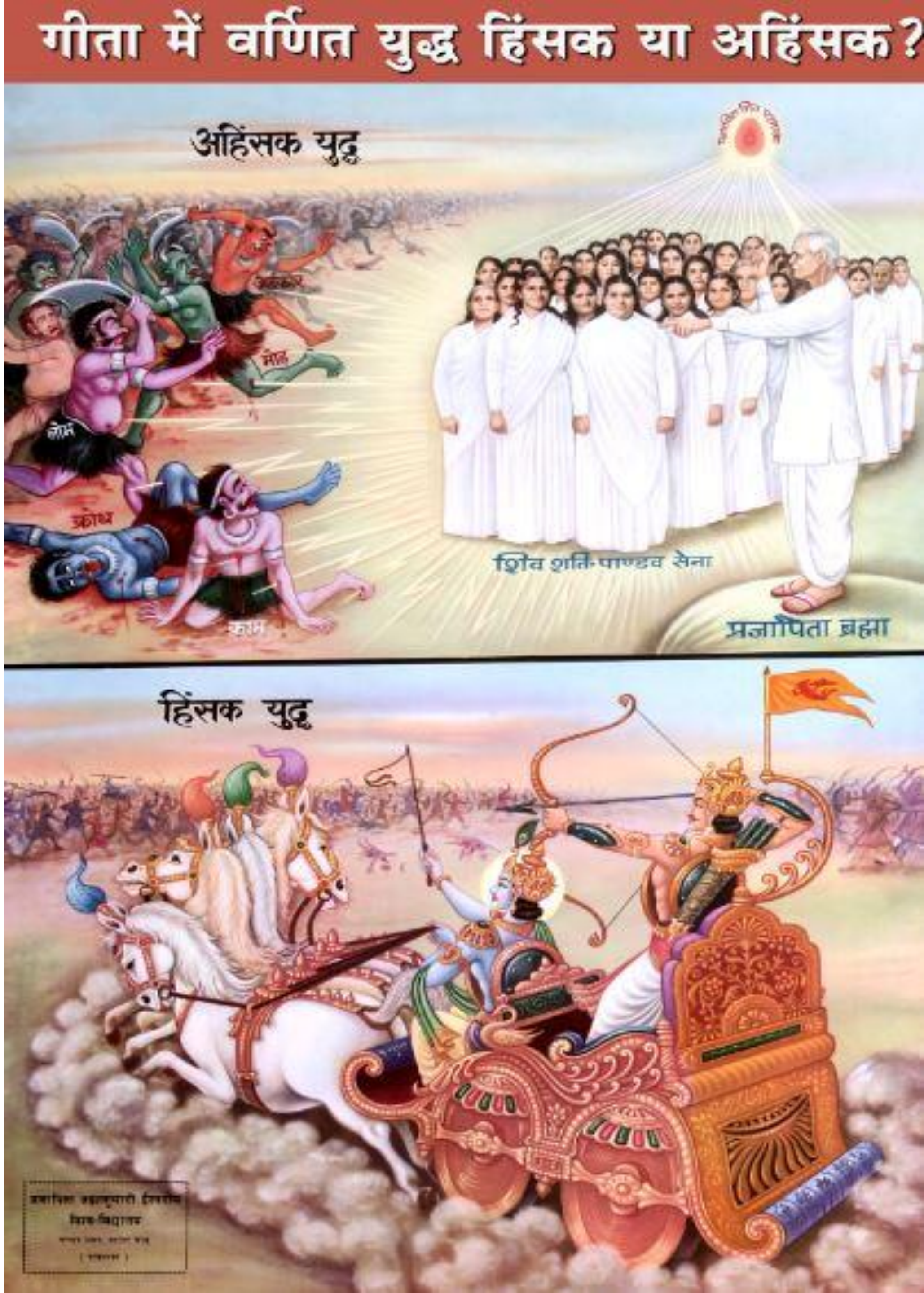

- मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमोर्निंग। रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते ।
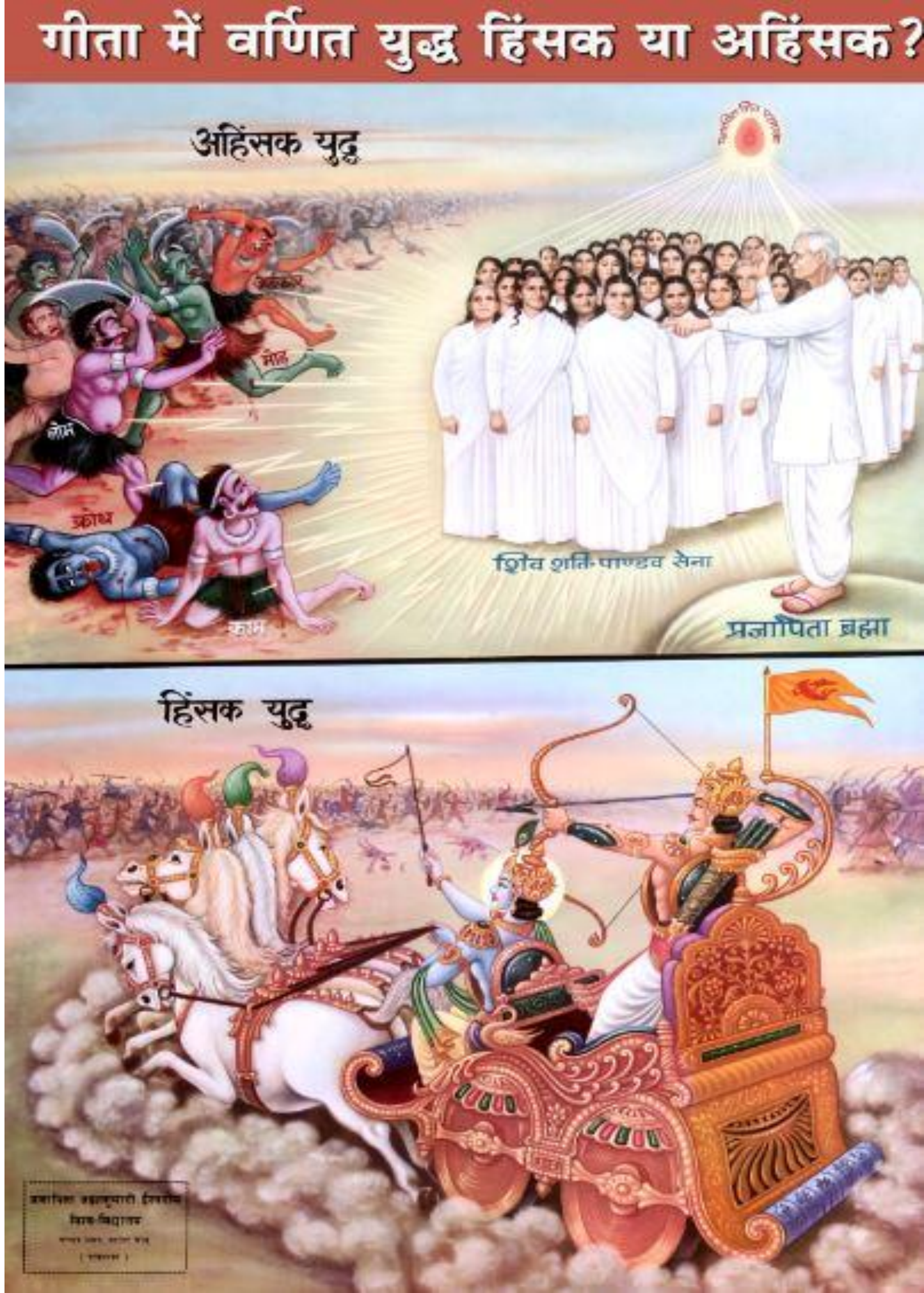
- वरदान: किसी के व्यर्थ समाचार को सुनकर इंट्रेस्ट बढ़ाने के बजाए फुलस्टाप लगाने वाले परमत से मुक्त भव !